''सामाजिक एकता का सूत्र है – सापेक्षता''

– आचार्यश्री महाप्रज्ञ

बीदासर, 20 अप्रैल, 2009।

''सामाजिक प्राणी सम्बधों से मुक्त नहीं होता। समाज में कोई निरपेक्ष जीवन नहीं जी सकता। कयोंकि व्यक्ति एकाकी नहीं रह सकता। वह सापेक्ष जीवन जीता है। सापेक्षता के साथ करुणा को योग बहुत जरूरी है। इसीलिए भगवान महावीर ने भी जो दस धर्म बताये हैं उनमें आठ धर्म समाज सापेक्ष है। सामाजिक एकता का सूत्र सापेक्षता ही है।''

''शरीर के बिना आत्मा का काम नहीं चलता तो आत्मा के बिना शरीर का काम नहीं चलता। दोनों का योग होता है तभी भाषा, चिंतन, मनन व जीवन का सारा व्यवहार चलता है। अतः हम जीवन में सापेक्षता पर विचार करें तथा यह सोचें कि मैं दूसरे मनुष्य के दुःख–दर्द में भागीदारी बनूं यह मेरा कर्त्तव्य है, मेरा राष्ट्रधर्म है।''

ये विचार अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने आज स्थानीय तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवासमवसरण में आयोजित विकलांग सहायता समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

समारोह का आयोजन महाप्रज्ञ सेवा प्रकल्प जयपुर द्वारा ग्यारह सौ विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम पैर उपलब्ध कराने की योजना के प्रथम चरण के रूप में किया गया था। इस अवसर पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के 36 विकलांग स्त्री–पुरुष भी उपस्थित हुए। समिति के संस्थापक पदमभूषण श्री देवेन्द्रराज मेहता ने बताया कि समिति द्वारा विश्व का श्रेष्ठतम कृत्रिम पैर लगाया जाता है जिससे विकलांग व्यक्ति जीवन भर सामान्य रूप से गतिशील बना रहता है।

प्रतिवर्ष लगभग 20 से 25 हजार पैर समिति द्वारा बिना जाति, धर्म, वर्ग और क्षेत्र आदि की भावा के विकलांगों की सेवा की जाती है। असमर्थ लोगों को आजीविका का संबल भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के अलावा लगभग 20 देशों में पैर लगाने का कार्य समिति कर रही है।

श्री मेहता ने कृत्रिम पैर से लाभान्वित अनेक व्यक्तियों को चलाकर, दौड़कर भी दिखाया तथा आचार्य महाप्रज्ञ एवं युवाचार्य महाश्रमण को पैरों के निर्माण आदि की सम्पूर्ण जानकारी दी। महाप्रज्ञ सेवा प्रकल्प के अध्यक्ष नरेश मेहता ने 200 पैरों की लागत रुपये तीन लाख का चैक देवेन्द्रराज मेहता को भेंट किया।

युवाचार्यश्री महाश्रमण ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि मानव सेवा का यह कार्य सामाजिक सापेक्षता का एक उदाहरण है। पैसा केवल व्यक्तिगत भोग के लिए नहीं होता समाज का भी उस पर अधिकार होता है। यदि लोग इस तथ्य पर विचार करें तो समाज की अनेक समस्याओं का स्वतः समाधान हो सकता है।

इससे पूर्व जयपुर से समागत लेखक–पत्रकार श्री महेन्द्र जैन ने महाप्रज्ञ सेवा प्रकल्प, प्रकल्प के अध्यक्ष श्री नरेश मेहता, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति एवं उसके संरक्षक पद्‌मभूषण श्री देवेन्द्रराज मेहता का परिचय दिया।

श्री नरेश मेहता ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में बताया कि आगामी दो अगस्त को लाडनूं क्षेत्र में सम्पूर्ण विकलांग निवारण अभियान चलेगा। जिसमें कृत्रिम पैर लगाने के साथ–साथ ट्राइ साइकिलें व अन्य उपकरण भी वितरित किये जायेंगे। उन्होंने समाज के अधिक से अधिक उदारमना व्यक्तियों का आह्‌वान करते हुए कहा कि वे विसर्जन का आदर्श सामने रख प्रकल्प के सहयोग बनें।

प्रारंभ में स्थानीय प्रवास व्यवस्था समिति के उपाध्यक्ष श्री हनुमानमल सेखानी, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री चौथमल बोथरा, तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री श्री संजय चौरड़िया ने पद्‌मभुषण श्री देवेन्द्रराज मेहता का साहित्य भेंट कर स्वागत किया। अमृतवाणी के संस्थापक–संचालक श्री जेसराज सेखानी ने विशेष आयोजनों के पांच विडियो कैसेट भेंट किये।

कर्नाटक राज्य शिक्षा विभाग के सदस्य प्रशिक्षण लेने आज बीदासर आए

बीदासर, 20 अप्रैल।

21 अप्रैल से 26 अप्रैल तक कर्नाटक सरकार के शिक्षा विभाग के 50 सदस्य जीवन विज्ञान का प्रशिक्षण हेतु आए। यह आयोजक केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी, कर्नाटक जीवन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित है। प्रातः 9.30 बजे इसका उद्‌बोध सत्र शुरू आचार्य महाप्रज्ञ एवं युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में तथा प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल के निर्देशन में होगा जो कि मंगलवान को तेरापंथ भवन बीदासर में आचार्य महाप्रज्ञ मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित किया जायेगा।